मैं एक छोटा सा बालक हुँ साईं

मैं एक छोटा सा बालक हुँ साईं,
रस्ता शिर्डी का भुला हुआ हुँ ।
याद आती मुझे शिर्डी की,
इसलिए बाबा रोने लगा हुँ ॥

हर तरफ जुल्म हैं बेबसी हैं,
बेकरारी बड़ी बेकसी हैं ।
आप आकर के रस्ता दिखा दो,
मैं ज़माने में खोने लगा हुँ ॥

मेरे हालात पर अब करर्म कर,
मेरे साईं तू अपनी नज़र कर ।
गम की चादर को ओढे हुए मैं,
सर्द रातों में सोने लगा हुँ ॥

आपका ही सहारा हैं मुझको,
आपको ही पुकारूँगा मैं तो ।
पलकें भींगी है साईं 'आशिष' की,
आंसुओ में नहाने लगा हुँ ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1661/title/main-ek-chota-sa-balak-hun-sai-rasta-shirdi-ka-bhula-hua-hun

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |